Aparajitha

सफलता के बीज

त्रैमासिक सूचना-पत्र

अक्टूबर-दिसंबर 2018

5 राज्य	3 भाषाएँ	39,498 स्कूल	53,05,250 विद्यार्थी

தளிர்த் திறன் திட்டம்

नमस्ते!

28
अंक

केवल निजी संचरण के लिए

विषय-सूची

नमस्ते 2

जीवन कौशल शिक्षा के स्वयं सेवक.............3

एक छात्रा बनी मार्गदर्शक.....................4

TTT: सीखने से करने तक का सफर 5

जब हमारे अमरीकी दोस्त मिलने आए..........5

हरियाणा में सैटललाइट से प्रसारण.................6

एडवेन्चर कैम्प में टिम टिम तारे 6

किशोर बालकों की शिक्षा में टिम टिम तारे......6

गुजरात में सैटललाइट से प्रसारण 7

माध्यमिक स्कूलों में टिम टिम तारा..............7

गूंज 8

एक कहावत है कि बहती हुई नदी हमेशा जीवित रहती है। ऐसा कहा जाता है क्योंकि वह निरंतर खुद का नवीकरण करती रहती है। इसी तरह, जो विचार एक ठोस रूप ले लेते हैं और 'कार्य' में परिवर्तित हो जाते हैं, वे महानता के दर्जे में आ जाते हैं। श्रेष्ठ विचार किसी कार्य के रूप में ही, नई जगहों और नए-नए लाभार्थियों तक पहुँच पाते हैं।

इस अंक में जानिए कि किस तरह सैटललाइट और स्वयं सेवकों की मदद से, TTT (टिम टिम तारे) स्कूलों, बाल विकास केंद्रों, सायंकाल क्लासों और विद्यार्थियों के कैम्पों तक पहुँच पाया है।

नए विचारों के साथ,एक नए रूप में इस पत्रिका का सफर आगे बढ़ता रहेगा। हमारे नए संपादकीय दल में, प्रत्येक राज्य से एक प्रतिनिधि होगा। अगला अंक हमारे नए दल द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।

आपके निरंतर समर्थन और सुझावों की प्रतीक्षा में।

अरिअरवेलन
मैनेजर

टिम टिम तारे, कक्षा *7* से *12* के विद्यार्थियों को जीवन कौशल शिक्षण प्रदान करता है। डबल्यूएचओ *(WHO)* द्वारा दिए गए दस कौशलों की सूची के आधार पर बनाए गए ये पाठ विद्यार्थियों को सुखद आनुभविक शिक्षा प्रदान करते हैं। प्राथमिक स्तर पर ये पाठ शिक्षकों की पुस्तिका के आधार पर और माध्यमिक व उच्च स्तर पर विडियो द्वारा करवाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को ज़िम्मेदार नागरिक बनाना और *2008-2009* के दौरान इसे *5* उच्च माध्यमिक स्कूलों में प्रारंभ किया गया था। *2009-10* में इसे तमिलनाडु सरकार द्वारा, तमिल नाडु के सभी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में लागू किया गया। इसके पश्चात, ये प्राथमिक स्कूलों, सरकार की सहायता से चलने वाले निजी स्कूलों और इस कार्यक्रम में रुचि दिखाने वाले आन्य स्कूलों में लागू किया गया। अब यह कार्यक्रम 6 राज्यों में कार्यान्वित है- तमिल नाडु, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा।

अपराजिथा फाउंडेशन्स
5A, वी.पी.रथिनासामीरोड
बीबीकुलम
मदुरई- 625002.
0452-4375252
info@aparajitha.org

जीवन कौशल शिक्षा के स्वयं सेवक

तमिल नाडु के कई शैक्षणिक संस्थाओं में थलिर थिरन थिट्टम (TTT) लागू किया गया है- प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक और उच्च विद्यालय, गैर-सरकारी संस्थाएँ, बाल विकास केंद्र, विद्यार्थियों के छात्रावास, स्कूल से जुड़े छात्रावास, पोलीटेकनीक, कॉलेज इत्यादि। इसे कई तरीकों से लागू किया गया है – विडियो से सीखना, शिक्षकों से सीखना, सहपाठियों से सीखना इत्यादि। सहायकों के इस दल में अब जीवन कौशल शिक्षा के स्वयं सेवक भी जुड़ गए हैं।

श्वेता, मदुरई के एक कॉलेज में बी.कॉम की छात्रा है। वह गैर-सरकारी संस्था, *सुदर* द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम 'आय एम ए लीडर' (मैं एक नेता हूँ) में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। वर्ष 2012 से, TTTके पाठ संस्था की गतिविधियों का हिस्सा रहे हैं। उसने न केवल इन पाठों से जीवन कौशल शिक्षा प्राप्त की है, बल्कि इन्हें अपने सहपाठियों को भी सिखाया है। उसने इनके प्रभाव को समझा है और इनके पाठ्यक्रम और पढ़ाने के तरीकों से बहुत प्रेरित हुई है।

उसे बच्चों के साथ समय बिताना अच्छा लगता है और वह उन्हें पूरे उत्साह के साथ पढ़ानाचाहती है। वह अपने आस-पड़ोस के बच्चों को TTT द्वारा जीवन कौशल शिक्षा प्रदान करना चाहती थी। इस तरह *सुदर* संस्था की मदद से बहुत-से नए बच्चों ने TTT के बारे में जाना। श्वेता को पता चला कि TTT में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए भी पाठ हैं। उसने राजीव गांधी नर्सरी स्कूल, समबंदर अलनकुलम, से अनुमति ली और बच्चों को जीवन कौशल का ज्ञान बाँटने लगी। जुलाई 2018 से वह प्रत्येक सोमवार को, वहाँ पढ़ रहे 20 विद्यार्थियों को यह शिक्षा प्रदान करती है।

श्वेता के इस प्रयास से प्रेरित होकर, एक और छात्रा जयासुर्या (बी.एससी दूसरा वर्ष) ने 'आय एम ए लीडर' कार्यक्रम में अपना दर्ज करवाया। कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों को वह शाम के समय ट्यूशन पढ़ाने लगी। अगस्त 2018 से वह बच्चों को जीवन कौशक शिक्षा भी देने लगी।

इन छात्राओं के उत्साह को देखकर, *सुदर* ने "जीवन कौशल शिक्षा के स्वयं सेवक" कार्यक्रम शुरू किया है ताकि और भी नवयुवक और नवयुवतियाँ इससे जुड़ सकें। श्वेता और जयासुर्या जैसे स्वयं सेवकों ने जीवन कौशल शिक्षा के रथ को आगे बढ़ाया है। हमारी आशा है कि यह रथ भव्य रूप से बढ़ते रहेगा और इसके साथ ज़्यादा से ज़्यादा स्वयं सेवक जुड़ेंगे।

- एन. गायात्री

एक छात्रा बनी मार्गदर्शक

मदुरई के करुमपल्लई इलाके में *SEED* नामक एक गैर-सरकारी संस्था है। 4 अगस्त 2018 को वहाँ काम कर रहे 30 स्वयं सेवकों को प्रशिक्षण दिया गया। अपराजिथा के एक सदस्य ने एक पाठ पढ़ाना शुरू किया और फिर स्वयं सेवकों ने उस पाठ को आगे बढ़ा कर पूरा किया।

बी.ए (दूसरा वर्ष) की छात्रा विंध्या ने आगे आकर एक पाठ पूरा किया। जब उससे पूछा गया कि उसने इस चुनौती को क्यों स्वीकार किया, तो उसने मुस्कुराकर जवाब दिया, "मैं जब आठवीं कक्षा में थी, तब से इस संस्था में TTT के पाठ सीख रही हूँ।इसी से मुझमें यह आत्मविश्वास आया है।

"उसके दोस्त और सहपाठी कालीश्वरी (बी.एससी पहला वर्ष) और मेकथ निलवु (बी.कॉम पहला वर्ष), *SEED* के विद्यार्थियों को TTT के पाठ सिखा रहे हैं।

TTT: सीखने से करने तक का सफर

M.A.N.U गर्लस हायर सेकेन्डरी स्कूल, मदुरई, की शिक्षिका अरुणादेवी ने जब कक्षा 9 के एक कोने में, व्यवस्थित ढंग से रखे हुए कपड़ों का एक ढेर देखा, तो वह असमंजस में पड़ गई। वह जानना चाहती थी कि ये कपड़े कहाँ से आए थे। उसने इस बारे में विद्यार्थियों से पूछा। विष्णुप्रिया, ऐश्वर्यलक्ष्मी, जोयप्रिंसी, मोनिका और पद्मप्रिया ने खड़े होकर बताया कि उन्हें TTT के एक पाठ से दान करने की प्रेरणा मिली। वे अपने पुराने कपड़े दान करना चाहते थे पर उन्हें नहीं पता था कि कहाँ जाना चाहिए। शिक्षिका ने उनकी मदद की, जिससे वे अपने कपड़े ज़रूरतमंद लोगों को दे पाए। फिर शिक्षिका ने बताया कि, "TTT के पाठों का विद्यार्थियों पर गहरा प्रभाव पड़ा है और वे इनसे सीखी गई बातों पर अमल करना चाहते हैं। यह एक उदाहरण है कि कक्षा में सिखाई गई बातें किस तरह एक कार्य का रूप ले सकती हैं। अगर वे इसी तरह के कौशल सीखते रहे, तो मुझे यकीन है कि उनमें और भी सकारात्मक बदलाव आएँगे।"

जब हमारे अमरीकी दोस्त मिलने आए

मिशिगन यूनीवर्सिटी में मास्टर इन बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन के विद्यार्थी, क्रिस्टोफर एल ओवेन,उद्यमिता पर एक शोध के काम से मदुरई आए। वे TTT के उद्देश्य और पाठ्यक्रम से आकर्षित हुए। उन्होंने ये विचार अपने भाई को बताए, जो कि अमेरिका में गणित के शिक्षक हैं। वे दोनों 27 जुलाई 2018 को K.K. प्राथमिक विद्यालय और उच्च विद्यालय गए। उन्होंने प्रधानाचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ TTT और नवयुवक/युवतियों पर उसके प्रभाव के बारे में चर्चा की। उनकी प्रतिक्रिया इस लिंक पर देखी जा सकती है:

https://youtu.be/Y0FqNFak5b4

. एम. सेंथिलकुमार

हरियाणा में सैटललाइट से प्रसारण

TTT के हिंदी स्वरूप टिम टिम तारे का प्रसारण पिछले शैक्षिक सत्र में सैटललाइट तकनीक के द्वारा किया गया था। 21 अगस्त 2018 को आदेश दिए गए कि इस प्रसारण को इस वर्ष भी चालू रखा जाए। इसके परिणामस्वरूप, प्रत्येक बुधवार और शनिवार को सुबह 10.00 से 11बजे के बीच, कक्षा 6 से 8 के लिए यह प्रसारण किया जाता है। इस शैक्षिक सत्र के अंत तक 39 पाठ प्रसारित किए जा चुके होंगे। इससे, 12,000 स्कूलों के12,60,000 विद्यार्थियोंको जीवन कौशल शिक्षा मिलेगी। सितंबर 2018 में 7 प्रसारण किए गए थे।

.

एडवेन्चर कैम्प में टिमटिम तारे

16 सितंबर से 30 नवंबर के बीच, हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा, नेशनल यूथ एडवेंचर इंस्टीट्यूट, गढ़पुरी शहर, पलवल जिला में, 7 एडवेंचर कैम्प आयोजित किए जाएँगे। इन कैम्पों का उद्देश्य है विद्यार्थियों में जागरुकता पैदा करना और उनके शारीरिक, मानसिक और भावात्मक विकास पर ध्यान देना। सितंबर 16-20 और 24 – 28 को हुए दो कैम्प में, टिम टिम तारे के पाठों द्वारा 600 विद्यार्थियों को मानसिक व भावात्मक स्वास्थ्य के बारे में जागरुक किया गया।

.

किशोर बालकों की शिक्षा में टिम टिमतारे

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने मिलकर किशोर बालकों के लिए एक शैक्षिक कार्यक्रम बनाया है। यह प्रत्येक राज्य के शिक्षा विभागों द्वारा लागू किया जा रहा है। हरियाणा के नेशनल यूथ एडवेंचर इंस्टीट्यूट,गढ़पुरी (पलवल) में आयोजित कैम्प में, 24 से 27 सितंबर के बीच, 196 स्कूलों के 392 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने टिम टिम तारे के माध्यम से जीवन कौशल शिक्षण के बारे सीखा।

-नानकी सलूजा

गुजरात में सैटललाइट से प्रसारण

पिछले शैक्षिक सत्र से ही, हरियाणा और राजस्थान में सैटललाइट द्वारा टिम टिम तारे के सत्र प्रसारित किए जा रहे हैं। इन्हीं कदमों पर चलते हुए, गुजरात राज्य के शिक्षा विभाग ने गुजरात में भी अब सैटललाइट द्वारा टिम टिम तारा के पाठ प्रसारित करना शुरू किया है।
कक्षा 6 से 8 के लिए, टिम टिम तारा के पाठ, प्रत्येक बुधवार को सुबह एक घंटे 'वंदे गुजरात' चैनल पर दिखाए जाते हैं। यही पाठ प्रत्येक गुरूवार को दोपहर में फिर से प्रसारित किए जाते हैं। अब तक 26,500 स्कूलों से 39,75,000 विद्यार्थियों ने, इनसे जीवन कौशल शिक्षा प्राप्त की है। पहला प्रसारण 30 अगस्त 2018 को हुआ था। इसके बाद सितंबर के अंत तक टिम टिम तारा के 12 पाठ प्रसारित किए जा चुके हैं। विद्यार्थी बहुत ही रुचि के साथ इन्हें सीख रहे हैं। दस स्कूलों में कुछ विद्यार्थियों ने सहायकों के रूप में ये पाठ अन्य विद्यार्थियों को भी सिखाए।

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की स्कूलों में टिम टिम तारा

गुजरात में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) के अन्तर्गत 73 मोडल विद्यालय और 20 उच्च विद्यालय हैं। इन सब विद्यालयों में टिम टिम तारा पिछले शैक्षिक वर्ष से लागू है। विद्यार्थियों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इसके परिणामस्वरूप RMSA के तहत टिम टिम तारा, छात्रावास वाले 500 मोडल विद्यालयों में भी लागू किया गया है। इन विद्यालयों में काम करने वाले 320 शिक्षकों कोइन जगहों पर प्रशिक्षण दिया गया है -पाटन (जुलाई 21) , ग्रामीण अहमदाबाद (जुलाई 24), बनासकांठा (अगस्त 2), आणंद (अगस्त 11), वडोदरा (अगस्त 27), और मोरबी (अगस्त 31)।

-कृष्णा पटेल

गूंज

एक और उपलब्धी पर हार्दिक बधाइयाँ!

-डॉ. हरिप्रिया अरविंद
प्रमुख- कैटैरैक्ट सर्विसिस,
अरविंद आय हॉस्पिटल,
मदुरई, तमिल नाडु

TTT का विकास, बधाई का हकदार है! यह सब सोची-समझी योजनाएँ बनाने और उन्हें बेहतरीन तरीके से लागू करने की वजह से हो पाया है। भविष्य के सभी कार्यों के लिए शुभकामनाएँ।

-के. सार्थी
प्रधानाचार्य,
सुंदरममैट्रीक्यूलेशनहायरसैकेन्ड्रीस्कूल,
अवियुर, तमिलनाडु

बहुत बढ़िया! मेरा स्वप्न साकार हो रहा है। जब विद्यार्थी मुस्कुराकर कार्यक्रम में भाग लेते हैं, तो उन्हें देखकर बहुत अच्छा लगता है।

- एन.ए.एन. नरायणन
एच.आर कंसलटन्ट
मदुरई, तमिलनाडु

टिम टिम तारा शुरू हुआ और एक बरगद के पेड़ की तरह बढ़ने लगा। हर वर्ष पूर्ण होने पर मैंने वडोदरा जिले के विद्यार्थियों और शिक्षकों में भी परिवर्तन देखा है। मुझे यकीन है कि अन्य जिलों और राज्यों को इस उदाहरण से प्रेरणा मिलेगी। जिस प्रकार गर्मी के दिनों में गुलमोहर का पेड़ छाया देता है, TTT भी विद्यार्थियों के लिए वही भूमिका निभाता है। यह खुशी की बात है कि अब इसका सीधा प्रसारण किया जा रहा है।

- डॉ. एम.एन.पटेल
जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी,
वडोदरा जिला, गुजरात

अपराजिथा फाउंडेशन गतिविधियों और अनुभव साझा करने के द्वारा नैतिकता की शिक्षा प्रदान कर रहा है, जो कि एक असरदार तरीका है। यह एक शिक्षा संबंधी चैनल पर प्रसारित किया जाता है जिससे गुजरात के विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी।

-मान पंकज
ब्लॉक रिसोर्स कॉओरडिनेटर,
गांधीनगर जिला, गुजरात

यह सराहनीय है कि अपने नाम की तरह 'सफलता के बीज' वास्तव में असरदार बीज पैदा कर पाया है। ग्रीष्मकालीन कैम्प में बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखकर प्रसन्नता हुई। इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

-आर.शेनबागदेवी
मैनेजर,
अपराजिथा,
मदुरई, तमिलनाडु